मंगलवार
02 अगस्त 2022

पृष्ठ 4

बारिश में कैसे बचें कान की बीमारियों से ?

पृष्ठ 5

सामंथा प्रभु मेलबर्न 2022 के भारतीय फिल्म महोत्सव में भाग लेंगी

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 177
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।
पं. मोतीलाल नेहरू

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

रेलवे टनल की दीवार ढही

❑सड़क का हिस्सा भी धंसा, 13 गांवों का संपर्क टूटा

विशेष संवाददाता

चमोली। उत्तराखंड की अति महत्वकांक्षी परियोजनाओं में से एक ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन के लिए होने वाले निर्माण कार्य की गुणवत्ता कैसी है? इसकी बानगी है जनपद चमोली के अंतर्गत सिवाई में बनने वाली टनल की दीवार का ढह जाना। इस दीवार के ढहने से इस टनल के ऊपर बनने वाली सड़क का भी 10 मीटर हिस्सा कई फीट नीचे धंस गया जिससे इस मार्ग पर यातायात बंद हो गया है और 13 गांवों का संपर्क मुख्य बाजार से टूट गया है।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन पर कार्य गतिमान है। इस अति महत्वकांक्षी परियोजना से चार धाम यात्रा को सरल बनाने के दावे किए जा रहे हैं 126 किलोमीटर की इस सिंगल रेलवे लाइन के लिए 35 पुलों और 17 टनलों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। 16200 करोड की प्रस्तावित लागत वाली इस परियोजना में बनने वाली 17 टनलों में से एक टनल तो 15 किलोमीटर लंबी है जिसके बारे में कहा जा रहा है यह एशिया की सबसे लंबी रेल टनल होगी। इस परियोजना को लेकर उत्तराखंड के लोगों में जहां भारी उत्साह है वहीं कुछ संस्थाएं और संगठन पर्यावरण व पहाड़ को होने वाले नुकसान को लेकर भी अपनी चिंताएं जताते रहे हैं। ऑल वेदर रोड के कारण पहाड़ों पर जो कटिंग कार्य हुआ है उसके कारण अनेक डेंजर जोन बन चुके हैं तथा पहाड़ दरकने की घटनाएं बढ़ी हैं। इस बड़ी रेल परियोजना के लिए भी प्रकृति व पहाड़ से बड़े स्तर पर छेड़छाड़ स्वाभाविक होगी। जो एक गंभीर खतरे के तौर पर देखी जा रही है। चमोली के सिवाई में बन रही रेलवे टनल के पहली ही बारिश में दीवार ढहने की घटना से यह साफ हो गया है कि इसके निर्माण कार्य की गुणवत्ता ठीक नहीं है। टनल के ऊपर से गुजरने वाली सिवाई-कर्णप्रयाग सड़क का एक बड़ा हिस्सा भी इस दीवार के ढहने से कई फुट नीचे धंस गया है जिसके कारण इस मार्ग पर यातायात ठप हो गया है और 13 गांवों का संपर्क मुख्य बाजार से कट गया है। देखना यह है कि रेल विकास निगम जो इस परियोजना को पूरा कर रहा है इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

ईडी इज ईडी! ईडी! ईडी!

❑नेशनल हेराल्ड के दफ्तर सहित 12 ठिकानों पर छापे

●चाल घोटाले में मुंबई में दो जगह छापे
●शिक्षक भर्ती में कोलकाता में चार जगह छापे

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/मुंबई/कोलकाता। इन दिनों ईडी अपनी फुल फॉर्म में है। भले ही समूचा विपक्ष ईडी की ताबड़तोड़ कार्यवाहियों को लेकर संसद से लेकर सड़कों तक हंगामा कर रहा हो लेकिन ईडी का अभियान बिना किसी रोक-टोक जारी है। केंद्रीय राजनीति के केंद्र में चल रहे नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी से लंबी पूछताछ के बाद आज नेशनल हेराल्ड के दफ्तर सहित उसके 12 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। वही चाल घोटाले में शिवसेना नेता संजय राउत की गिरफ्तारी के बाद अब ईडी द्वारा उनके मुंबई स्थित दो ठिकानों पर छापेमारी की गई है। इसके अलावा इन दिनों सुर्खियों में छाए पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में भी आज पार्थ चटर्जी के 4 ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल हेराल्ड केस में अभी ईडी द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी से लंबी पूछताछ की गई थी। मनी लांड्रिंग के इस केस में सोनिया और राहुल से ईडी द्वारा की गई पूछताछ का कांग्रेस द्वारा भारी विरोध किया गया था। राजधानी दिल्ली सहित पूरे देश में कांग्रेस ने धरने प्रदर्शन किए थे तथा सरकार पर ईडी के गलत प्रयोग का आरोप लगाया गया था। इस मामले को लेकर कांग्रेसियों ने संसद की कार्यवाही भी नहीं चलने दी। अब इस केस में ईडी ने आज नेशनल हेराल्ड के दफ्तर सहित 12 ठिकानों पर छापे मारे हैं। समाचार लिखे जाने तक छापेमारी जारी थी तथा यह जानकारी नहीं मिल सकी कि इन छापों के दौरान ईडी के

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

जम्मू-कश्मीर के रामबन में पुलिस चौकी पर हुआ ग्रेनेड हमला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में एक पुलिस चौकी पर आतंकवादियों ने मंगलवार सुबह ग्रेनेड फेंका, जिसके बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करके व्यापक तलाश अभियान चलाया। सूत्रों ने बताया कि ग्रेनेड पुलिस चौकी की छत पर जा कर गिरा और उसमें विस्फोट हुआ। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने कहा, पुलिस चौकी इंड के परिसर के पास एक ग्रेनेड विस्फोट हुआ है। यह स्थान गूल थाने के अंतर्गत आता है।श्श इससे पहले पुलिस सूत्रों ने बताया था कि पुलिस चौकी पर एक देसी बम फेंका गया। सिंह ने बताया कि जम्मू कश्मीर गजनवी फोर्स (जेकेजीएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने बताया कि एक पत्र मिला था जिसमें दावा किया गया था कि यह जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स द्वारा किया गया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने कहा कि विशेष अभियान समूह (एसओजी) और सेना के दलों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और तलाश अभियान शुरू किया है। जिले में अलर्ट जारी किया गया है और इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

देश में पिछले 24 घंटो में सामने आए कोरोना के 13,734 मामले, एक्टिव केस 0.32 फीसदी

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले दिन प्रति दिन तेजी से कम हो रहे हैं। पिछले 24 घंटे में एक बार फिर कोरोना के मामलों में कमी देखने को मिली है स्वास्थ्य मंत्रालय ने अनुसार देशभर में कोरोना वायरस के 13,734 नए मामले सामने आए हैं। आपको बता दें कि सोमवार को देशभर में कोरोना के 16,464 नए मामले दर्ज किए गए थे। पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों में भी कमी आई है। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में 17,897 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 1 लाख 39 हजार 792 हो गई है। देश में अब तक कोरोना के कुल 4 करोड़ 40 लाख

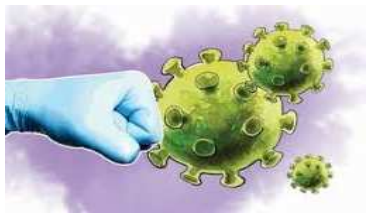

50 हजार 9 मामले सामने आ चुके हैं साथ ही कुल 4 करोड़ 33 लाख 83 हजार 787 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके अलावा 5 लाख 26 हजार 430 लोगों की मौत भी हो चुकी है।

एक्टिव केस फिलहाल 0.32 फीसदी हैं। अभी रिकवरी रेट 98.49 फीसदी है। दैनिक सकारात्मकता दर अब 3.34 प्रतिशत है। जबकि वीकली पॉजिटिविटी रेट 4.79 फीसदी है।कोरोना वायरस के मामलों को लेकर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि देश में अब तक कुल 87.58 करोड़ कोरोना टेस्ट किए जा चुके हैं। पिछले 24 घंटे में 4 लाख 11 हजार 102 लोगों का टेस्ट हो चुका है। और इस दौरान 26 लाख 77 हजार 405 कोविड टीका भी लगाया गया है।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़ने लगी है। करीब बीते एक सप्ताह से कोरोना के नए मामलों में वृद्धि जारी है। आपको बता दे की बीते 24 घंटे में कोविड के 822 नए मामले सामने आए है। वहीं 2 मरीजों की मौत हो गई है। वहीं बीते 24 घंटे में दिल्ली के अंदर कोरोना के 4,274 एक्टिव मरीज देखने को मिले।

दून वैली मेल

संपादकीय

ग्रेड पे पर आर या पार

ग्रेड पे 46 सौ लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे 2001 बैच के भर्ती पुलिसकर्मी और उनके परिजनों पर उत्तराखंड पुलिस के मुखिया द्वारा की गई बड़ी कार्रवाई के बाद अब यह मुद्दा आर या पार की लड़ाई तक जा पहुंचा है। डीजीपी अशोक कुमार द्वारा चार उन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया जिनकी पत्नियों ने इस मुद्दे पर पत्रकार वार्ता कर अपना आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी थी। डीजीपी पुलिसकर्मियों के परिजनों की इस कार्रवाई को कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन मानते हैं। भले ही डीजीपी की सोच ठीक हो लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ सरकारी सेवा देने वाले कर्मचारियों के लिए ही सब नियमावली बनी है। शासन और प्रशासन के लिए कोई नियमावली नहीं होती। पुलिस कांस्टेबलों का 46 सौ ग्रेड पे का विवाद 8 साल पुराना है उन्हें पहले भर्ती के समय 2000 ग्रेड पर दिया जाता है। 8 साल की सर्विस पूरा होने पर 24 और 12 साल की सर्विस पूरी होने पर 46 सौ तथा 22 साल की सर्विस पूरी होने पर 48 सौ ग्रेड पे दिया जाने का प्रावधान है। जिन पुलिसकर्मियों को 2013 में 46 सौ ग्रेड पे मिलना था उनकी समय सीमा को सरकार द्वारा 2013 से बढ़ाकर 2016 कर दिया और जब 2016 आया तो इसकी समय सीमा को बढ़ाकर 2020 कर दिया गया। क्या यह पुलिस नियमावली के साथ धोखाधड़ी नहीं है या पुलिसकर्मियों के हक पर डाका मारी नहीं है। 2001 बैच के पुलिस कर्मियों को यह वेतन प्रोन्नति सरकार द्वारा इसलिए टाली जाती रही क्योंकि सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। सरकार द्वारा इन पुलिसकर्मियों को 2 लाख एकमुश्त देने का फैसला किया गया जिसे कैबिनेट से भी मंजूरी मिल गई लेकिन इन पुलिसकर्मियों को वह 2 लाख भी आज तक नहीं दिया गया अब अप्रैल 2002 बैच के कर्मचारी भी इस की पात्रता के दायरे में आ गए हैं। सवाल यह है गलत कहा हो रहा है वह पुलिस कर्मचारी जो इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं वह गलत है या उनके वह परिवार जो इसे लेकर आंदोलन कर रहे हैं। समय पर ग्रेड पर लागू न करने के कारण इन पुलिसकर्मियों को 10 से 12 लाख तक नुकसान हुआ है लेकिन सरकार उन्हें 2 लाख भी देने को तैयार नहीं है। उसके ऊपर अब अगर इन पुलिसकर्मियों के परिवार अपने हक की लड़ाई के लिए आंदोलन कर रहे हैं तो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दंडित किया जा रहा है। घर तो महिलाएं ही चलाती हैं और अगर घर चलाने में दिक्कत होती है तो वह अपने पतियों को ही कहती हैं। डीजीपी द्वारा चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किए जाने से न सिर्फ उन तमाम पुलिस कर्मियों में आक्रोश है जिनका ग्रेड पे ड्यूट है अपितु उनके परिजन भी खासे आक्रोशित हैं अब कई महिलाएं तो इस मुद्दे पर आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर रही हैं। सीएम धामी जो हर समस्या के सरलीकरण व समाधान की बात करते हैं उन्हें भी इस ओर गौर करने की जरूरत है।

समस्याओं को लेकर डीएम से मिले मजदूर संघ के पदाधिकारी

बागेश्वर (आरएनएस)। भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात करके समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मजदूर संघ द्वारा लंबे समय से समस्याओं के निदान के लिए संघर्ष करता रहा है। कई बार ज्ञापन सौंपे गए परंतु उनकी मांगें नहीं मानी जाती है। कहा कि श्रमिकों द्वारा मृत्योपरांत लाभ, विवाहोपरांत लाभ समेत श्रमिकों को मिलने वाले टूल किट आदि के लिए आवेदन किया गया है परंतु कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है जिससे श्रमिकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने इस संबंध में उचितकार्रवाई की मांग की।

हेलंग प्रकरण के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई को रैली निकाली

नैनीताल (आरएनएस)। हेलंग में जंगल से घास काटने पर पुलिस व सीआईएसएफ जवानों द्वारा महिलाओ के साथ की गई अभद्रता के विरोध में नैनीताल में सोमवार को एकजुटता मंच ने रैली निकाल अपना विरोध दर्ज करवाया। मंच ने कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत को ज्ञापन देकर मामले में दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को गांधी चौक के पास इकट्ठे हुए एकजुटता मंच के सदस्यों ने हेंगल घटना के विरोध में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। मंच के सदस्य तल्लीताल डांठ से रैली निकालते हुए कुमाऊं आयुक्त कार्यालय तक पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। राज्य आंदोलनकारी व मंच के सदस्य राजीव लोचन साह ने कहा कि अपने अधिकारों के तहत जंगल से घास काटने गई महिलाओं के साथ पुलिस और सीआईएसएफ द्वारा अभद्रता की गई है। पर सरकार ने अब तक मामले में दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। लिहाजा जल्द से जल्द सरकार द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही क्षेत्र में काम कर रही परियोजना निर्माता कंपनी टीएचडीसी के विरुद्ध नदी में मलबा डालने, पेड़ काटने आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। सदस्यों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई न की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

महंगाई पर भी बिखरा विपक्ष!

हरिशंकर व्यास

विपक्ष, मोदी सरकार की गारंटी है। वक्त भले विपक्ष को छप्पर फाड़ मौका देता हुआ है लेकिन विपक्ष को केवल अपने पांवों पर कुल्हाड़ी मारनी है। सोचें, महंगाई की मौजूदा दशा पर। लेकिन इस सप्ताह संसद परिसर में कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने विरोध किया तो उससे ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की पार्टी के सांसद दूरी रखे हुए थे। किसलिए? ताकि वे कांग्रेस के साथ न दिखलाई दें! ममता बनर्जी भी अपनी अकेली की ताकत के भरोसे में हैं तो अरविंद केजरीवाल भी। वे मानते हैं ऐकला चलो से फलेंगे-फूलेंगे। अपने को बचाए रख सकते हैं। कांग्रेस और बाकी दूसरी विरोधी पार्टियों का पतन होगा और उनका उत्थान। अपनी ताकत बना कर, अपने को बचा कर, रेवड़ी राजनीति करके वे भाजपा के विकल्प बनेंगे। भाजपा की रेवड़ियों, भाजपा के पैसे, बाहुबल को मात देने वाले सूरमा बनेंगे!

तभी महंगाई याकि जनता के मुद्दे पर भी अलग ढपली बजाओ। राष्ट्रपति चुनाव में आदिवासी द्रौपद्री मुर्मू से आदिवासी वोटों के स्वार्थ में यशवंत सिन्हा से दूरी और भाजपा के उम्मीदवार को समर्थन समझा जा सकता है लेकिन महंगाई, लोगों की रोजमर्रा की दिक्कतों पर भी विपक्षी एकता और साझा विरोध की सोच नहीं तो आगे के लोकसभा चुनाव में क्या होना है, समझ सकते हैं। सत्य है कि ममता बनर्जी ने खुद यशवंत सिन्हा का नाम सुझाया था। पर ममता बनर्जी ने बंगाल आने के लिए नहीं कहा। हेमंत सोरेन की जेएमएम, नवीन पटनायक की पार्टी का रुख आदिवासी कार्ड में समर्थन का था। हिसाब से हेमंत और नवीन पटनायक का अपने प्रदेशों में ठोस आदिवासी वोट आधार है। सवाल ही नहीं उठता कि यदि वे द्रौपदी मुर्मू को वोट नहीं डालते तो आदिवासी नाराज होते तथा भाजपा का आदिवासी वोट बढ़ता। मोदी राज में आठ साल से दलित, आदिवासी वोटों में जो पोजिशनिंग हुई पड़ी है उसमें चेहरों की प्रतीकात्मक राजनीति से अब फर्क नहीं पड़ना है। यदि विरोधी पार्टी के नेता सांसदों-विधायकों को अंतरात्मा की आवाज से वोट देने का पैंतरा चलते तब भी वह समझदारी वाला रास्ता होता।

लेकिन जनता को विपक्ष का सीन बंटा और बिखरा दिखलाई दिया। उस नाते राष्ट्रपति चुनाव और महाराष्ट्र में अघाड़ी सरकार का पतन सन् 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले का वह मोड़ है, जो विपक्ष को आगे कंफ्यूज किए रहेगा। एक तो शरद पवार अब लोकसभा चुनाव में भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं रहे हैं। ममता बनर्जी, शरद पवार, केसीआर जैसे दो-चार नामों से विपक्षी मोर्चे के बनने या प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी के पहले जो ख्याल हुआ करते थे वे सब बेमतलब हो गए हैं। जब शरद पवार महाराष्ट्र में अपना मोर्चा और सरकार नहीं बचा पाए तो देश के लिए क्या विकल्प बना सकेंगे!

उस नाते शरद पवार की चुनौती खत्म करने के बाद सन् 2024 से पहले मोदी सरकार केसीआर, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल का या तो विधानसभा चुनाव या विधानसभा ही खत्म कर या सीबीआई-ईडी जैसे हथकंडों से निपटाने का रोडमैप बनाए हुए होगी। मैं नहीं मानता की अभी तेलंगाना में चंद्रशेखर राव की पार्टी चुनाव हार सकती है। लेकिन हैदराबाद की बैठक के साथ भाजपा जैसा टकराव बना रही है तो संभव है अगले साल के विधानसभा चुनाव में टीआरएस को दिक्कत हो। ऐसे ही यह नामुमकिन नहीं है जो केंद्र सरकार दिल्ली में विधानसभा ही खत्म कर, राजधानी दिल्ली में पुरानी व्यवस्था बहाल करके अरविंद केजरीवाल को पैदल बना दे। बाद में वे पंजाब की सरकार से राजनीति कर पाएं, यह संभव नहीं है। केंद्र सरकार के लिए दिल्ली, महाराष्ट्र से भी ज्यादा आसान पंजाब सरकार को ठिकाने लगाना है। जब शरद पवार, उद्धव ठाकरे जैसे अपनी सरकार नहीं बचा पाए तो पंजाब में खालिस्तान, भष्टाचार, चौबीसों घंटे एजेंसियों के निगरानी का ऐसा गोला-बारूद है कि न वहां धमकाना मुश्किल है और न खरीदना। फिलहाल हिमाचल, गुजरात में कांग्रेस के वोट कटवाने में भाजपा के लिए आप की उपयोगिता है, इसलिए कुछ समय टले रह सकता है। मगर केजरीवाल क्योंकि दिल्ली की छाती में मूंग दलते हुए हैं और सन् 2014 से ही, वाराणसी से मोदी बनाम केजरीवाल में ईगो की लड़ाई का सत्य है तो सर्वाधिक गाज तो केजरीवाल पर ही गिरेगी।

इसलिए केजरीवाल की अकेले की या केसीआर, ममता, हेमंत सोरेन आदि जितने नेता अकेले अपने बूते राजनीति और मोदी सरकार से अभय की गलतफहमियां पाले हुए हैं उन सबको शरद पवार और उद्धव ठाकरे के हस्र से समझना चाहिए। भारत अब वह लोकतांत्रिक देश नहीं है, जिसमें सबके लिए जगह हो। जब जनता के लिए खुली सांस नहीं है, डर, भय, भूख, महंगाई, बेरोजगारी, चौपट कामधंधों, बुलडोजर और बेमौत मौत के अनुभवों का प्रामाणिक तौर पर सिलसिला एक के बाद एक है तो विपक्षी नेताओं का बिना एकजुटता के क्या भविष्य है, यह सत्य मायावती से समझना चाहिए तो कुमारस्वामी और तमाम तरह के बड़बोले मुस्लिम नेताओं से भी।

आ यत्साकं यशसो वावशाना: सरस्वती सप्तथी सिन्धुमाता।

या: सुष्वयन्त सुदुघा: सुधारा अभि स्वेन पयसा पीप्याना:

(ऋग्वेद ७-३६-६)

जिस प्रकार जल से पूर्ण होकर उत्तम जलधारा बहती है। उसी प्रकार पांच ज्ञानेंद्रियां और मन के मध्य से सरस्वती, ज्ञान से युक्त वाणी, बहती है। यह सदैव हमारी सुख समृद्धि के लिए बहती रहे।

Just as a noble stream flows full of water. Similarly, Saraswati, the Vaani full of knowledge, flows from the middle of the five senses and the mind. May it always flow for our happiness and prosperity.
(Rig Veda 7-36-6)

इन छापों का नैतिक औचित्य?

वेद प्रताप वैदिक

इस समय केंद्र सरकार कई सेठों और नेताओं के यहाँ छापे डलवा रही है। इसमें सामान्यतया कोई बुराई नहीं है, क्योंकि अब से लगभग तीन सौ साल पहले फ्रांसीसी विद्वान सेंट साइमाँ ने जो कहा था, वह आज भी बहुत हद तक सच है। उन्होंने कहा था कि समस्त संपत्ति चोरी का माल होती है।'' फिलहाल उनके इस दार्शनिक कथन की गहराई में उतरे बिना हम यह मानकर चल सकते हैं कि कुछ हेरा-फेरी किए बिना बड़ा माल-ताल कमाना मुश्किल ही है। उद्योग और व्यापार में तो पैसा बनाने के लिए कई वैध और अवैध तरीके अपनाने ही पड़ते हैं लेकिन राजनीति में भ्रष्टाचार किए बिना पैसा बनाना असंभव है और लोकतंत्र की चुनावी राजनीति तो मोटे पैसे के बिना साँस भी नहीं ले सकती। पिछले 77-75 साल में मैं ऐसे कई नेताओं को जानता रहा हूँ, जिसके पास खाने और पहनने की भी ठीक-ठाक व्यवस्था नहीं थी लेकिन आज वे करोड़ों के मालिक हैं। पैसे के खेल ने दुनिया के सारे लोकतंत्रों को खोखला कर दिया है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा है, इसलिए इसकी साफ-सफाई के लिए मोदी सरकार जो कार्रवाइयाँ कर रही है, वह सराहनीय है लेकिन सवाल यह है कि ये सब कार्रवाइयाँ विरोधी दलों के नेताओं और सिर्फ उन सेठों के खिलाफ क्यों हो रही हैं, जो कुछ विरोधी दलों के साथ नत्थी रहे हैं? यदि सोनिया गांधी के खिलाफ जाँच हो रही है तो क्या अन्य सभी दलों के नेता दूध के धुले हुए हैं? सभी दलों के नेताओं के यहाँ छापे क्यों नहीं पड़ रहे हैं? यदि नरेंद्र मोदी कुछ भाजपा के नेताओं के यहाँ भी छापे डलवाने की हिम्मत कर लें तो वे भारत के विलक्षण और एतिहासिक प्रधानमंत्री माने जाएंगे। भाजपा के कई मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को उनके पद से हटाया जाना काफी नहीं है। उनकी जाँच करवाना और दोषी पाए जाने पर उन्हें सजा दिलवा दी जाए तो भारतीय राजनीति में स्वच्छता का शुभारंभ हो सकता है। कहते हैं कि मालवा की महारानी अहिल्याबाई ने अपने पुत्र को ही दोषी पाए जाने पर हाथी के पाँव के नीचे कुचलवा दिया था। मेरे मित्र एक कांग्रेसी प्रधानमंत्री ने मुझसे पूछा कि चुनाव जीतने के लिए कोई मंत्र बताइए। मैंने तीन मंत्र बताए। उसमें पहला मंत्र यही था कि भ्रष्ट कांग्रेसियों के यहाँ आप छापे डलवा दीजिए। आप भारत के महानायक बन जाएँगे। लेकिन जो सरकार सिर्फ अपने विरोधियों के यहाँ ही छापे डलवाती है और उन नेताओं और सेठों को छुट्टा छोड़ देती है, जो उसके अपने माने जाते हैं, उस सरकार की छवि चुपचाप पैदे में बैठती चली जाती है। इसका एक बुरा असर सत्तारुढ़ दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भी होता रहता है। वे बेखौफ़ पैसा बनाने में जुट जाते हैं। अपने विरोधियों के खिलाफ की गई कार्रवाइयाँ कानूनी दृष्टि से तो ठीक हैं लेकिन उनका नैतिक औचित्य तभी मान्य होगा, जब वे सबके विरुद्ध एक-जैसी हों।

एसडीआरएफ ने नदी में फंसे तीन लोगों को किया सकुशल रेस्क्यू

संवाददाता

देहरादून। बीन नदी में फंसे कार सवार तीन लोगों को एसडीआरएफ ने काफी मशक्कत के बाद सकुशल बाहर निकाल लिया।

मिली जानकारी के अनुसार मॉनसूनी वर्षा के कारण ऋषिकेश और चीला के बीच होकर बहने वाली बीन नदी में उफान आ गया। इस बात से अनजान कार सवार तीन लोग बीच नदी में फंस गए। यह सभी लोग हरिद्वार से ऋषिकेश आ रहे थे। एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर नदी में फंसे तीन लोगों को सकुशल वाहन सहित बाहर निकाला। मध्य रात्रि करीब एक बजे आपदा कंट्रोल रूम देहरादून से एसडीआरएफ को सूचना मिली कि हरिद्वार वाया चीला ऋषिकेश आ रहे कार सवार तीन लोग बीन नदी में फंस गए हैं। नदी में उफान आया हुआ था मगर कार सवार व्यक्तियों को इस बात की जानकारी नहीं थी। इन्होंने रात अंधेरे में ही कार को नदी के रास्ते पर ले जाने की कोशिश की। यह सभी लोग कार सहित बीच नदी में फंस गए। मदद के लिए इन्होंने आपदा कंट्रोल रूम को सूचित किया। जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम पोस्ट ढाल वाला से तत्काल मौके पर पहुंची व रात के अंधेरे में अत्यंत विषम परिस्थितियों तीनों व्यक्तियों को रेस्क्यू करने के उपरांत रस्सों के सहारे कार को किसी तरह से बाहर निकाला। कार सवार तीन लोगो ने अपने नाम मनीष जखमोला पुत्र भगवती प्रसाद, ऋषिकेश, विकास उनियाल पुत्र प्रकाश उनियाल निवासी नोएडा उत्तर प्रदेश, सूरज सिंह पुत्र भानु प्रताप सिंह नोएडा उत्तर प्रदेश बताये।

परिवर्तन प्रगति की पहली सीढ़ी है:आचार्य

संवाददाता

देहरादून। शिव महापुराण के तीसरे दिन आचार्य शिव प्रसाद ममगाई ने कहा कि परिवर्त प्रगति की पहली सीढी होता है। आज यहां अजबपुर खुर्द सरस्वती विहार विकास समिति के द्वारा शिवभक्ति मन्दिर में आयोजित शिवपुराण की तीसरे दिन की कथा में व्यक्त करते हुए ज्योति पीठ व्यास आचार्य शिव प्रसाद ममगाई ने पार्थिव लिए कई चर्चा करते हुए कहा कि सतयुग में रत्न लिंग त्रेता में सुवर्ण द्वापर में रजत कलयुग में पार्थिवेश्वर पूजन से शीघ्र सिद्धि व सफलता मिलती है। जीवन कर्म का पर्याय है इसलिए जीवन ही कर्म है मृत्यु कर्म का आभाव है मृत्यु के बाद चित पर उनकी स्मृतिय शेष रहती है जो बुराई को जन्म देती है। संसार की गति अविरल वृताकार है इसका न कही आदि है न अंत सृष्टि निर्माण एबम विध्वंस का कार्य सतत रूप से चल रहा है। जहाँ यह व्रत पूरा होगा तथा नई सृष्टि के लिए अवसर उपस्थित होगा इसी प्रकार कर्म व वासनाओ की गति भी वृत्ताकार है कर्म से स्मृति व संस्कार बनते हैं तथा इन संस्कारों के कारण विज़य वासना दुर्भावना जागृत होती है वासना आसक्ति से जन्म मृत्यु पुनर्जन्म का चक्र आरम्भ होता है भोग प्रारबधिन है व भगवान ने मनुष्य को क्रिया शक्ति दी है। क्रिया को व्यर्थ गवाने पर पाप व अर्जित करने पर सुखा नुभूति होती है अहिंसा के सिद्धांत जिस तत्व में मानने की व्यवस्था है वही सनातन धर्म है हमारा चित संसार व आत्मा के बीच का सेतु है जो विषय वासना की पूर्ति के साध न है दूसरी ओर चित जड़ है यह आत्मा के प्रकाश से प्रकाशित होता है यह चेतन आत्मा सूक्ष्म है अत: प्रवर्ति सदैव दिखती है जब योगी को समाधि अवस्था मे प्रकृति पुरुष का भेद स्प्ष्ट हो तब वह निज स्वरूप आत्मा की ओर प्रवर्त होता है।

प्रकति को अपने से सदा विदा करना ही उसकी कैवल्य अवस्था है वह प्रकृति के दास से उसका स्वामी बन जाता है उससे वह विषयो की ओर आकर्षित होता था वह छोड़कर आत्मानंद की ओर अभिमुख होता है। इस अवसर पर पंचम सिंह विष्ट अध्यक्ष सचिव गजेंद्र भण्डारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष बी एस चौहान उपाध्यक्ष कैलाश तिवारी विजय सिंह, अनूप सिंह फर्त्याल, मूर्ति राम बिजल्वाण, दिनेश जुयाल, सोहन रौतेला, पी एल चमोली, मंगल सिंह कुट्टी, बी पी शर्मा, दीपक काला, आशीष गुसाई, नितिन मिश्रा, राजेंद्र प्रसाद डिमरी, योगेश प्रियंका घनशाला, कैलाश रमोला, विनोद पुंडीर, बगवालिया सिंह रावत, आचार्य उदय प्रकाश नौटियाल ,आचार्य सुशांत जोशी आदि उपस्थित थे।

ट्रांसपोर्ट नगर व्यापार संगठन के देवरानी उपाध्यक्ष व गर्ग बने मंत्री

संवाददाता

देहरादून। ट्रांसपोर्ट नगर व्यापार संगठन की कार्यकारणी का विस्तार करते हुए अरुण देवरानी को उपाध्यक्ष व नितिन गर्ग को मंत्री बनाया गया।

आज यहां ट्रांसपोर्ट नगर में व्यापारियों की बैठक आहूत की गई जिसमें ट्रांसपोर्ट नगर की मूलभूत समस्याओं पर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में विशेष रूप से आमंत्रित कांग्रेस नेता त्रिलोक सिंह सजवान ने कहा कि संगठन में शक्ति होती है संगठित होकर व्यापार संगठन को मजबूत करें जिससे आपकी समस्याओं का निदान हो सके। आज व्यापारियों के हितों से खिलवाड़ किया जा रहा है। बैठक को संबोधित करते हुए ट्रांसपोर्ट नगर व्यापार संगठन के अध्यक्ष सुरेंद्र सूरी ने कहा बरसात के मौसम में जगह जगह कूड़े का अंबार लगा रहता है जिससे डेंगू

फैलने का खतरा पैदा हो गया है। बिजली के पोलों पर लाईट नही है। बैठक में सुरेंद्र नारंग ने कहा कि ऑटोमोबाइल पार्ट्स पर सरकार अठाईस प्रतिशत कर वसूल रही है जो कि बहुत अधिक है जिस और सरकार को ध्यान देना चाहिए। बैठक में कार्यकारणी का गठन किया गया जिसमें अरुण देवरानी उपाध्यक्ष, नितिन गर्ग मंत्री, उदित नागलिया उपाध्यक्ष ,आशीष अग्रवाल संगठन मंत्री, सुरेंद्र कुमार नारंग कोषाध्यक्ष एवम अजीत क्षेत्री को सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गई । बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता त्रिलोक सिंह सजवान ,महेश जोशी व एस एन उपाध्याय विशेष रूप से आमंत्रित थे।

ट्रक की चपेट में आकर बाईक सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवन गढ निवासी चिराग तोमर ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता सतीश तोमर अपनी मोटरसाईकिल से शहर से घर की तरफ आ रहे थे जब वह धर्मावाला के पास पहुंचे तभी सामने से आ रहे ट्रक ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिनको स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी।

कालाढूंगी के मिनी स्टेडियम की जांच कराई जाएगी

नैनीताल (आरएनएस)। जिले की प्रभारी मंत्री रेखा आर्या के कालाढूंगी पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। कालाढूंगी के मिनी स्टेडियम का निर्माण अधर में लटका होने की बात सुनकर उन्होंने कहा कि बड़ा अजीब मामला है। 4 फरवरी 2020 को इसका शिलान्यास होने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ है।

इस मामले की जांच कराएंगी। जो भी अड़चन है, उसको दूर कराते हुए जल्द ही स्टेडियम का निर्माण शुरू कराया जाएगा। पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह देऊपा, कोच मनमोहन बसेड़ा ने मंत्री रेखा आर्या को ज्ञापन देते हुए शीघ्र स्टेडियम का निर्माण शुरू कराए जाने, अस्पताल में सुविधाएं मुहैया कराए जाने की मांग की। क्षेत्रीय विकास एवं स्पोर्ट्स समिति की मांग पर कालाढूंगी में मिनी स्टेडियम स्वीकृत हुआ था।

मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि देश अमृत महोत्सव मना रहा है, इस बार देश की आजादी पर हर घर पर तिरंगा लगा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रूण हत्या एक अभिशाप है, इसलिए हम सबको जागरूक रहना पड़ेगा। इस दुनिया में सबको जीने का अधिकार है। इस दौरान महेंद्र दिगारी, विनोद बुध लाकोटी, जसविंदर सिंह, दीवान सिंह बिष्ट, आरती आर्या, मीनाक्षी देवी, कविता वालिया, हरीश मेहरा, मोहन सिंह खोलिया, तारा चंद्र पांडे समेत भाजपा के तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परीक्षा केन्द्र साहिया में कुलपति ने किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ग्रीष्मकालीन वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा के पहले दिन ही जनजातीय क्षेत्र जौनसार बावर के साहिया में संचालित सरदार महिपाल राजेंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हो रही परीक्षाओं का औचक निरीक्षण करने पहुँचे कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी।

औचक निरीक्षण में कुलपति प्रोफेसर नेगी ने परीक्षा केंद्र की सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त पाया ओर कहा कि यह परीक्षा केन्द्र दुरस्थ क्षेत्र के छात्र छात्राओं की सुविधा के लिए बनाया गया है।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गोद लिए गाँव समाल्टा का कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रो.ओम प्रकाश सिंह नेगी ने ग्रामवासियों से उच्च शिक्षा से जुड़ी जानकारी साझा की। साथ ही श्री नेगी ने सरदार महिपाल राजेंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा संचालित जनजातीय संग्रहालय जौनसार बावर वस्तु गृह केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

नेगी ने समाल्टा गाँव व जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में संचालित सरदार महिपाल

राजेन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिये रोजगारपरक नॉन क्रेडिट सर्टिफिकेट सिलाई कोर्स संचालित करने की बात कही।

नेगी ने कहा कि सिलाई सर्टिफिकेट कोर्स तीन माह का नॉन क्रेडिट कोर्स होगा जिसके लिए सरदार महिपाल राजेन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय साहिया को प्रशिक्षण केन्द्र बनाया जाता है।

नेगी ने कहा कि तीन माह में प्रशिक्षण कोर्स पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जाएगा।

कुलपति प्रो. ओ.पी.एस. नेगी समाल्टा स्थित श्री चालदा महासू मंदिर में देवदर्शन के लिए पहुँचे जहां समाल्टा खतवासियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

महाविद्यालय के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर ने कुलपति महोदय को महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों से अवगत कराते हुए महाविद्यालय विवरणिका सत्र- 2022-23 व स्मृति चिन्ह भेंट किया।

इस अवसर पर डॉ. सुभाष रमोला प्रभारी निदेशक उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर देहरादून, डॉ. भावना डोभाल सहायक प्राध्यापक समाज शास्त्र, नरेंद्र जगूड़ी समन्वयक मॉडल अध्ययन केंद्र उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय देहरादून, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रेनू गुप्ता, सहायक प्राध्यापक दीपक बहुगुणा, मनोजा चौहान, प्रियंका चौहान, श्रीमती इंदिरा, दीक्षिता, श्रीमती पूनम भंडारी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी गंभीर सिंह चौहान, रितेश चौहान, प्रियंका चौहान, रीतिका चौहान, किरण चौहान, मोनू एवं अर्जून सिंह तोमर सदर स्याणा खत समाल्टा, सरदार सिंह तोमर, आनंद सिंह तोमर आदि उपस्थित रहे।

बारिश के मौसम में बेबी को पहनाते हैं डायपर, पहले ध्यान में रखें ये बातें

आजकल के पेरेंट्स अपने बच्चों के लिए डायपर (स्त्रद्बड्डश्चद्गह्म) का इस्तेमाल जरूरी समझते हैं। डायपर का इस्तेमाल सुविधाजनक होता है। लेकिन इसकी वजह से कई तरह की परेशानियां भी हो सकती हैं। बेबी की स्किन सॉफ्ट होती है, हार्ड कुछ भी उनकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है।

कुछ डायपर निर्माण कंपनियां अक्सर डायपर बनाने में सिंथेटिक फाइबर, डाई या दूसरे हार्ड केमिकल का इस्तेमाल करती हैं, जो स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं और एलर्जी का कारण बन सकते हैं। डायपर से बेबी को रैशेज होना बहुत कॉमन हैं।

गीले गंदे डायपर में बैक्टीरिया हो सकते हैं और इससे रैशेज हो सकते हैं। रैशेज के जोखिम को कम करने के लिए अपने बच्चे के डायपर को समय-समय पर बदलते रहें। डायपर एक ऐसी चीज से बने होते हैं जो आपके बच्चे के पेशाब को अवशोषित करने में मदद करते है। ऐसे में आपके बच्चे के डायपर के अंदर हवा के आसान फ्लो में बाधा डाल सकता है और बैक्टीरिया और दूसरे कीटाणुओं के पनपने का कारण बन सकते हैं।

डायपर के इस्तेमाल से बच्चे को स्किन और दूसरे संक्रमणों की चपेट में आने का खतरा होता है।

बेबी को ज्यादा समय तक डायपर पहनाने से आपके बच्चे को टॉयलेट ट्रैनिंग देने में समस्या हो सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बच्चों को डायपर में पेशाब करने और शौच करने की आदत हो जाती है।

रिपोर्ट्स की मानें तो अगर आप बच्चे को पूरा दिन डायपर में रखते हैं तो दिन में कम से कम ८ से १० बार इसे बदलना चाहिए, कुछ मामलों में तो इससे भी ज्यादा। ऐसे में आपका खर्चा भी बढ़ सकता है।

आप अपने बच्चे के लिए कपड़े के डायपर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये न केवल आपके बच्चे की स्किन और हेल्थ के लिए अच्छे हैं, बल्कि इनको धोने के बाद दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

बाजार में कपड़ा डायपर के कई प्रकार मिलते हैं। आप कार्बनिक कपास उठा सकते हैं जो अच्छी तरह से अवशोषित हो जाते हैं। हालांकि, कुछ अतिरिक्त काम के लिए तैयार रहें, क्योंकि जैसे ही यह गंदा हो जाता है, आपको अपने बच्चे का डायपर बदलना और धोना होगा।

डायपर चुनते समय मुलायम, केमिकल फ्री डायपर नाजुक स्किन को परेशान नहीं करते हैं, किसी भी रैश को रोकते हैं। अपने बच्चे को आरामदेह और एलर्जी/रैश फ्री रखने के लिए सॉफ्ट डायपर देखें। (आरएनएस)

शेफाली शाह की 'दिल्ली क्राइम 2' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली शाह और रसिका दुग्गल स्टारर वेबसीरीज 'दिल्ली क्राइम 2' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। दिल्ली क्राइम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की चर्चित वेब सीरीज है। पहले सीजन की आपार सफलता के बाद मेकर्स इसके दूसरे सीजन की तैयारी कर रहे हैं। 'दिल्ली क्राइम 2' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। दिल्ली क्राइम के सीजन 2 में शेफाली शाह, रसिका दुग्गल और राजेश तेलांग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आयेंगे।

दिल्ली क्राइम 2 के टीजर में शेफाली शाह इस बार क्राइम से परेशान होते हुए दिख रही हैं। टीजर में शेफाली दिल्ली में अमीर और गरीब तबके में रहने वालों के बारे में बात करती हुई नजर आ रही हैं। टीजर में शेफाली पर उनके डिपार्टमेंट से कुछ इल्जाम भी लगते हुए दिख रहे हैं। वहीं, परेशान शेफाली क्राइम के खत्म न होने पर अपनी निराशा भी जताते हुए नजर आईं। दिल्ली क्राइम 2 नेटफ्लिक्स पर इस साल 26 अगस्त को स्ट्रीम होगी।

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद कलर्स टीवी पर अपना शो कुबेरंस हाउस लेकर आ रहे हैं। सोनू सूद अपना टीवी शो लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम कुबेरंस हाउस है। इस शो के जरिए सोनू सूद अपने फैंस के सपनों को पूरा करेंगे। सोनू सूद ने अपने इस नए टीवी शो का फर्स्ट लुक शेयर किया है, जिसमें वह ब्लू कोट में नजर आ रहे हैं। इसके साथ सोनू ने ब्लैक चश्मा लगाया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए सोनू ने लिखा, 'तुम सपने देखो और मैं उन्हें पूरे करूंगा। कुबेरंस हाउस जल्द कलर्स पर आ रहा है।

बारिश में कैसे बचें कान की बीमारियों से ?

कान में इन्फेक्शन वैसे तो किसी भी मौसम में हो सकता है, लेकिन बारिश का मौसम अन्य मौसम की तुलना में अधिक इन्फेक्शन पैदा करने वाला होता है। ऐसे में आपके लिए पेश है जरूरी सुझाव, जो आपको कान की बीमारियों व इन्फेक्शन से बचाने में मदद करेंगे।

कान की बीमारियां -

बारिश में संक्रमण फैलने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। संक्रमण के कारण ही बारिश में कान के रोग भी पनपते हैं, जो फैलने पर आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। आइए जानें विस्तार से...

मनुष्य के कान महत्वपूर्ण ज्ञानेंद्रिय हैं, जो मुख्यत: दो कार्य करते हैं :

1. सुनना या शब्द श्रवण 2. शरीर को बैलेंस करना

कान के शरीर रचना की दृष्टि से तीन भाग हैं :

(1) बाह्य कर्ण, (2) मध्य कर्ण व (3) अंत:कर्ण।

अंत:कर्ण की रचनाओं में विकार आने पर प्रमुखत: चक्कर आना, चलने में परेशानी एवं उल्टी होना या उल्टी होने की इच्छा होना तथा विभिन्न प्रकार की आवाजें कान में आना जैसे लक्षण सामने आते हैं। कान के प्रत्येक अंग की सामूहिक ठीक क्रिया के द्वारा मनुष्य ठीक प्रकार से सुनता है। इन अंगों में से कान के पर्दे से लेकर मध्य कर्ण एवं अंत:कर्ण के अंगों में विकार होने पर विभिन्न प्रकार की श्रवणहीनता की स्थिति उत्पन्न होती है।

सामान्यत: कान से मवाद आने को मरीज गंभीरता से नहीं लेता, इसे अत्यंत गंभीरता से लेकर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श एवं चिकित्सा अवश्य लेना चाहिए अन्यथा यह कभी-कभी गंभीर व्याधियों जैसे मेनिनजाइटिस एवं मस्तिष्क के एक विशेष प्रकार के कैंसर को उत्पन्न कर सकता है।

कान में मवाद किसी भी उम्र में आ सकता है, किंतु प्राय: यह एक वर्ष से छोटे बच्चों या ऐसे बच्चों में ज्यादा होता है जो मां की गोद में ही रहते हैं। तात्पर्य स्पष्ट है जो बैठ नहीं सकते या करवट नहीं ले सकते। कान से मवाद आने का स्थान मध्य कर्ण का संक्रमण है।

मध्य कर्ण में सूजन होकर, पककर पर्दा फटकर मवाद आने लगता है। मध्य कान में संक्रमण पहुंचने के तीन रास्ते हैं, जिसमें ८०-९० प्रतिशत कारण गले से कान जोड़ने वाली नली है। इसके द्वारा नाक एवं गले की सामान्य सर्दी-जुकाम, टांसिलाइटिस, खांसी आदि कारणों से मध्य कर्ण में संक्रमण पहुंचता है।

बच्चों की गले से कान को जोड़ने वाली नली चूंकि छोटी एवं चौड़ी होती है, अत: दूध पिलाने वाली माताओं को हमेशा बच्चे को गोद में लेकर सिर के नीचे हाथ लगाकर, सिर को थोड़ा ऊपर उठाकर ही बच्चे को दूध पिलाना चाहिए। ऐसी माताएं जो लेटे-लेटे बच्चों को दूध पिलाती हैं उन बच्चों में भी कान बहने की समस्या उत्पन्न होने की ज्यादा आशंका रहती है।

आयुर्वेद की दृष्टि से सर्दी-जुकाम आदि हों तो निम्न उपाय तत्काल प्रारंभ कर देना चाहिए। सरसों के तेल को गर्म कर पेट, पीठ, छाती, चेहरे, सिर पर सुबह-शाम मालिश करना चाहिए।

दुनियाभर में ऐसे लाखों लोग मिल जाएंगे, जो बहरेपन के शिकार हैं। कम सुनाई देना या फिर बिलकुल भी सुनाई न देना बहरापन कहलाता है।

इसकी शुरुआत बहुत हल्के से होती है फिर धीरे-धीरे यह बहरेपन जैसी गंभीर समस्या बनकर उभर आती है। अगर आपको किसी के द्वारा जोर से बोलने पर भी सुनने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, तो आपको सुनने की समस्या हो सकती है।

सलाह आपके लिए -

* अगर आपको सुनाई देना कम हो गया हो या कान में इंफेक्शन हो तो तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें।

* तेज आवाज में लगातार इयरफोन से संगीत न सुनें।

* घर पर कानों की सफाई की कोशिश ना करें यह काम विशेषज्ञ से ही कराएं।

* कानों में हेयरक्लिप्स, सेफ्टी पिन, माचिस की तीली एवं तीखी वस्तुएं डालने से बचें, इससे कानों का पर्दा फट भी सकता है।

* बिना चिकित्सक के परामर्श के दर्दनिवारक दवाओं, एंटीबायोटिक आदि का सेवन न करें।

* प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल न करें।

* जब तेज आवाज से बचना मुमकिन ना हो तब कानों में रूई लगाएं।

* कम सुनाई दे तो ऑडियोमेट्री जांच कराएं।

* गाड़ी चलाते वक्त मोबाइल का प्रयोग बंद करें। रात में ईयर फोन से यथासंभव बचें।

शब्द सामर्थ्य -013

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		12ए	■	13		14	■	15
	■	16			■	17		
18	19		■	20	21		■	
■		■	■	■		■	■	■
22			■	23			■	24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 12 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

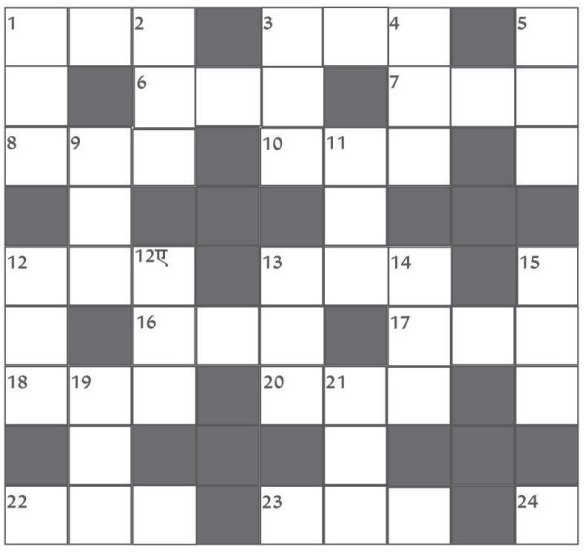

-प्रबंधक विज्ञापन

अली फजल अभिनीत द एस्ट्रोनॉट एंड हिज पैरट प्रीमियर के लिए तैयार

अभिनेता अली फजल अभिनीत लघु फिल्म द एस्ट्रोनॉट एंड हिज पैरट, जिसका निर्देशन आरती कदव ने किया है, फैंटासिया फेस्ट में इसका उत्तरी अमेरिकी प्रीमियर होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस महोत्सव को दुनिया के अग्रणी शैली विशिष्ट फिल्म समारोह के रूप में जाना जाता है और यह साइंस-फाई लंदन फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित होगी। इसको लेकर अली कहते हैं, इस तरह के प्रतिष्ठित समारोहों में चुनी गई किसी चीज का हिस्सा बनना हमेशा अच्छा लगता है। फैंटासिया फिल्म उत्सव में हमारी फिल्म को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त करना और साथ ही दुनिया भर से कुछ बहुत अच्छी सामग्री को सशक्त बनाना है। अभिनेता ने कहा, हमारे पास भारत में विज्ञान-कथा शैली को आगे बढ़ाने वाला कोई निर्देशक नहीं है। आरती कदव एक तूफानी शराब हैफिल्म के बारे में कहा जाता है कि यह एक अंतरिक्ष अन्वेषक के बारे में है जो एक दुर्घटना के कारण शून्य में बह गया है और उसकी ऑक्सीजन की आपूर्ति तेजी से घट रही है। अंतरिक्ष में अपने अंतिम क्षणों में, वह अपनी बेटी को संकेतों के माध्यम से संदेश भेजने की सख्त कोशिश करता है लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अली अगली बार मिजार्पुर 3 में पंकज त्रिपाठी और रसिका दुग्गल के साथ नजर आएंगे।

अर्जुन कपूर की फिल्म 'कुत्ते' की रिलीज डेट आई सामने

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर की आने वाली फिल्म कुत्ते चार नवंबर को रिलीज होगी। बॉलीवुड फिल्मकार विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म 'कुत्ते' में अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। टी सीरीज की ओर से इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी गई है। पोस्ट में बताया गया है कि कुत्ते 4 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ ही पोस्ट में फिल्म से जुड़ी कास्ट के बारे में बताया गया है। इस फिल्म में अर्जुन कपूर के अलावा नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन शर्मा, तब्बू, कुमुद मिश्रा, राधिका मदान और शर्दुल भारद्वाज भी नजर आएंगे। गौरतलब है कि 'कुत्ते' का निर्माण लव फिल्म्स और विशाल भारद्वाज फिल्म्स के बैनर तले लव रंजन, विशाल भारद्वाज, अंकुर गर्ग और रेखा भारद्वाज ने किया है। वहीं, इसे गुलशन कुमार और भूषण कुमार की टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। आसमान भारद्वाज निर्देशत यह फिल्म एक सस्पेंस थ्रिलर है।

खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है जेनेलिया देशमुख

बॉलीवुड अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख खुद को फिट रखने के लिए इन दिनों कड़ी मेहनत कर रही है।जेनेलिया देशमुख अपनी फिटनेस जर्नी को लेकर काफी सुर्खियों में है। वह खुद को फिट रखने के लिए हर दिन जिम में कड़ी मेहनत कर रही हैं। उन्होंने पिछले 4 हफ्तों से अपनी फिटनेस जर्नी की शुरुआत की है।अपने वर्क अकाउंट की तस्वीरों और वीडियो को वह सोशल मीडिया पर शेयर भी करती रहती हैं। जेनेलिया देशमुख ने अपने चार हफ्तों की फिटनेस वर्कआउट को लेकर बताया है कि यह उनके लिए काफी चुनौतियों से भरा रहा है। जेनेलिया देशमुख ने कहा, 'जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, मैं निश्चित रूप से बेहतर, मजबूत और ज्यादा इच्छुक महसूस कर रही हूं, लेकिन मुझे काम के लिए शहर छोड़ना पड़ा। इसने मुझे थोड़ा परेशान कर दिया है। परिवार और मेरे प्रशिक्षकों को याद करना और मेरे जिम से वापस घर ने एक पल के लिए मेरी गति को धीमा कर दिया था, लेकिन परिवार के साथ चैट ने मुझे काफी अच्छा महसूस होता है। आखिरकार, जहां चाह है वहां एक रास्ता है।

नियति फतनानी ने चन्ना मेरेया में अपनी भूमिका को लेकर साझा किया अनुभव

टीवी अभिनेत्री नियति फतनानी जिन्होंने अपने नए शो चन्ना मेरेया में अपने किरदार को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने शो में एक जिंदादिल लड़की जिन्नी का किरदार निभाया है। नियति ने जिन्नी की भूमिका निभाई है, जो जीवन से भरपूर है। वह और उसका परिवार अमृतसर में एक ढाबा चलाते हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं जिन्नी की भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं, एक जीवंत युवा महिला जो जीवन से भरपूर है। जिनी ग्रेवाल अपने ही अराजक बुलबुले में रहती है। वह और उसका पूरा परिवार अमृतसर में एक ढाबा चलाता है जो बेहद लोकप्रिय है। जिन्नी के हाथों का स्वाद के कारण और यह न केवल वह खाना है जो जिनी परोसती है, बल्कि वह प्यार और अपनापन भी है जो वह ग्राहकों के साथ साझा करती है। नियति ने आगे कहा, जिन्नी अपनी पाक क्षमताओं और जीवंत हंसी से परे कुछ ढूंढ रही है। वह एक चमकदार सितारे की तरह है, हमेशा चमकती और रोशनी फैलाती है।शो में दो मुख्य लीड हैं, जिनमें से एक हैं, आभिनेता करण वाही, जो आदित्य की भूमिका निभाएंगे और दूसरी ओर नियति फतनानी, जिनी की भूमिका निभाएंगी। बियॉन्ड ड्रीम्स एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, चन्ना मेरेया स्टार भारत पर प्रसारित होगा।

सामंथा प्रभु मेलबर्न 2022 के भारतीय फिल्म महोत्सव में भाग लेंगी

अभिनेत्री सामंथा प्रभु, जिन्हें ओटीटी सीरीज द फैमिली मैन 2 में अपने काम के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और ऊ अंतावा गाने में अपने जलवो से पूरे देश को मदहोश कर दिया, मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव द्वारा उन्हें 2022 समारोह के लिए प्रमुख मेहमानों में से एक के रूप में आमंत्रित किया गया है, जिसे 12 अगस्त को हरी झंडी दिखाने के लिए निर्धारित किया गया है।

महामारी प्रतिबंधों के कारण, आईएफएफएम दो साल बाद हो रहा है। सामंथा ने कहा, पिछले साल, भले ही मैं आईएफएफएम का हिस्सा थी, मैं सभी प्रतिभागियों के उत्साह के कारण ऊर्जा और खिंचाव महसूस कर सकती थी।

कोविड के बाद दुनिया के खुलने के साथ और व्यक्तिगत रूप से इसका हिस्सा बनने के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने का अवसर दिया गया है, उस ऊर्जा का अनुभव करने के लिए, कुछ ऐसा है जो मैं आगे देख रही हूं।

उन्होंने आगे उल्लेख किया, भारतीय सिनेमा को इसकी विविधता में, भारतीयों और सिनेमा प्रेमियों दोनों के समुदायों के साथ सर्वसम्मति से मनाना एक रोमांचक एहसास है। उत्सव के दौरान अभिनेत्री ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरियन राज्य की राजधानी में अपने प्रशंसकों से मिलेंगी।

वह 13 अगस्त को अपने करियर और प्रक्षेपवक्र के बारे में बात करते हुए लाइव दर्शकों के साथ बातचीत में एक विशेष बातचीत भी करेंगी। फेस्टिवल के निदेशक मीतू भौमिक लांगे ने कहा, सामंथा की यहां ऑस्ट्रेलिया में इतनी उत्साही प्रशंसक हैं।

उनके प्रशंसक उनके आईएफएफएम का हिस्सा बनने और इस साल महोत्सव में उनके काम का जश्न मनाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वह बहुमुखी अभिनेत्री हैं और उन्हें अपने काम के लिए प्रशंसकों के बीच ऐसा बेदाग सम्मान मिला है।

रिलीज हुआ आलिया भट्ट की डार्लिंग्स का ट्रेलर

नेटफ्लिक्स ने सोमवार को आलिया भट्ट की डार्क कॉमेडी फिल्म डार्लिंग्स का ट्रेलर रिलीज कर दिया। इससे पहले 5 जुलाई को फिल्म का रोमांचक टीजर रिलीज किया गया था। फिल्म 5 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगी। इस फिल्म को आलिया की प्रोडक्शन कंपनी द एटर्नल सनशाइन और शाहरुख खान की रेडचिलीज एंटरटेनमेंट ने मिलकर बनाया है। फिल्म में आलिया के साथ शेफाली शाह और विजय वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं।

करीब ढाई मिनट के इस ट्रेलर में क्राइम और कॉमेडी का तड़का देखने को मिलता है। फिल्म में आलिया और शेफाली मां-बेटी की भूमिका में नजर आएंगी। ट्रेलर से पता चलता है कि फिल्म घरेलू हिंसा की शिकार एक पत्नी के बदले की कहानी है। फिल्म में बद्रुनिशा (आलिया) अपनी मां के साथ मिलकर अपने ही पति हमजा (विजय) को किडनैप कर लेती है। इसके बाद दोनों हमजा के गुम हो जाने की कहानी रचते हैं।

फिल्म का निर्देशन जसमीत के रीन ने किया है। जसमीत की यह पहली फिल्म है। एक बयान में जसमीत ने कहा, 卐यह मेरी पहली फिल्म है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इतने बेहतरीन कलाकारों और वर्ल्ड क्लास क्रू के साथ काम करने का मौका मिला।卐 यह आलिया के प्रोडक्शन हाउस एटर्नल सनशाइन की भी पहली फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार नेटफ्लिक्स ने 80 करोड़ रुपये में फिल्म के राइट्स खरीदे हैं।

डार्लिंग्स के बाद आलिया की अगली फिल्म ब्रह्मास्त्र 9 सितंबर को आएगी। लंबे समय से आलिया और रणबीर की इस फिल्म की चर्चा है। वह रणवीर सिंह के साथ करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेमकहानी भी कर रही हैं। शेफाली शाह नेटफ्लिक्स के चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम्स के सीक्वल में नजर आएंगी। दिल्ली क्राइम्स 2 26 अगस्त को रिलीज होगी। विजय वर्मा भी सुजॉय घोष के साथ नेटफ्लिक्स के एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

हाल ही में आलिया ने खबर दी थी कि वह मां बनने वाली हैं। इसके बाद आलिया और रणबीर कपूर पर बधाइयों की बरसात होने लगी। वह कॉफी विद करण में रणवीर सिंह के साथ नजर आई थीं। इस चैट शो में उन्होंने रणबीर के साथ अपने रिश्ते और शादी पर निजी बातें शेयर कीं जो मीडिया में सुर्खियां बनीं। प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद डार्लिंग्स के प्रमोशन में आलिया पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दी हैं।

शिवम नायर की एक्शन फिल्म में दिखेंगे जॉन अब्राहम

अभिनेता जॉन अब्राहम एक साथ कई फिल्मों के प्रोजेक्ट पर काम करते हैं। यही वजह है कि उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त रहता है। हाल में खबर आई थी कि वह फिल्ममेकर शिवम नायर की एक्शन फिल्म में नजर आएंगे। अब मेकर्स ने खुद इस खबर की पुष्टि कर दी है। निर्देशक शिवम ने बताया कि उन्होंने जॉन के साथ हाथ मिलाया है। अभी फिल्म का शीर्षक निर्धारित नहीं किया गया है। जॉन इसमें मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, निर्देशक शिवम ने फिल्म में जॉन के शामिल होने की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा, मैं इस जियो पॉलिटिकल थ्रिलर पर कुछ समय से फॉर्च्यून पिक्चर्स के साथ काम कर रहा हूं। कहानी की संरचना और स्क्रिप्ट के निर्माण में बहुत मेहनत और शोध किया गया है। इसके लिए अब हमारे साथ जॉन हैं। फिल्म के शीर्षक से पर्दा जल्द हटाएंगे। वाकाओ फिल्म्स के साथ इस प्रोजेक्ट के लिए प्री-प्रोडक्शन पहले ही शुरू हो चुका है।

शिवम के निर्देशन की इस फिल्म का लेखन रितेश शाह ने किया है। वह फॉर्च्यून पिक्चर्स के लिए कई विषयों पर काम कर रहे हैं। रितने ने अपने बयान में कहा, वर्तमान प्रोजेक्ट के अलावा हम जॉन और शिवम के साथ कई अच्छे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इस कड़ी में एक और महिला एक्शन रिवेंज थ्रिलर फिल्म है। मैं फॉर्च्यून पिक्चर्स के साथ बहुत सहज हूं, उनकी कंटेंट की पहचान और क्यूरेशन की संवेदनशीलता अद्भुत है। इस साल के अंत तक इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। जॉन ने फिल्म साइन कर ली है और अपनी डेट्स भी दे दी है। जॉन को एक एक्शन अभिनेता माना जाता है, इसलिए उन्हें इस फिल्म के लिए चुना गया है। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म में दिखाया जाएगा कि जॉन एक साधारण व्यक्ति हैं और असाधारण परिस्थिति में फंसे हैं। इस फिल्म को प्रोड्यूसर अश्विनी वर्दे के साथ विपुल डी शाह और राजेश बहल प्रोड्यूस करेंगे।

निर्देशक शिवम नायर को फिल्म नाम शबाना और वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स से खास शोहरत मिली। इसके आलावा उन्होंने आहिस्ता आहिस्ता और महारथी जैसी फिल्मों का भी निर्देशन किया है।

जॉन के खाते में एक से बढ़कर एक कई फिल्में हैं। वह शाहरुख खान अभिनीत पठान का भी अहम हिस्सा हैं। इसमें जॉन विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। वह भूषण कुमार की एक फिल्म से बतौर निर्माता जुड़े हुए हैं। हिट मलयालम फिल्म अय्यप्पनम कोशियुम की हिंदी रीमेक में भी जॉन दिखेंगे। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा था। जॉन की हालिया फिल्में दर्शकों को रास नहीं आई हैं, इसलिए उन्हें खुद को साबित करना भी होगा।

पशुपालन क्षेत्र के लिए ऋण सुविधा में विस्तार

अतुल चतुर्वेदी

2019 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित एक कार्य समूह ने उल्लेख किया था कि पारंपरिक कृषि कार्य में लगे किसानों के पास पशुधन और डेयरी किसानों की तुलना में ऋण प्राप्ति की बेहतर सुविधा मौजूद थी। चूंकि 75 प्रतिशत पशुपालक किसान 2-4 मवेशियों के साथ सीमांत किसान की श्रेणी में आते हैं, इसलिए भारत के पशुपालन और डेयरी क्षेत्रों के लिए ऋण की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि संबद्ध गतिविधियों (पशुधन, वानिकी और मत्स्य पालन) को कुल कृषि ऋण का केवल 1० प्रतिशत प्राप्त होता है, जबकि वे कृषि उत्पादन में 4० प्रतिशत का योगदान देते हैं। पशुपालक किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती इस तथ्य से भी जुड़ी हुई है कि जनगणना के तहत एक किसान को उसकी जमीन के स्वामित्व/जोत के आधार पर परिभाषित किया जाता है। परिणामस्वरूप, पंजीकृत भूमि रिकॉर्ड के बिना किसानों के लिए ऋण प्राप्त करना बहुत कठिन हो जाता है। इस स्थिति के समाधान के लिए, सरकार ने पशुधन और डेयरी क्षेत्र में किसानों व उद्यमियों के लिए ऋण उपलब्धता एवं ऋण वित्तपोषण का विस्तार करने के उद्देश्य से कई उपाय पेश किये हैं।

सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा केवल 41 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान कवर किए गए हैं और बहुसंख्यक किसान सूदखोर साहूकारों के सामने असहाय हो जाते हैं। स्थिति में सुधार के लिए, पहला महत्वपूर्ण उपाय 2019 में सामने आया, जब किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा पशुधन क्षेत्र के किसानों को भी दी गई। केसीसी में बैंकों को 2 प्रतिशत की ब्याज छूट प्रदान की जाती है और किसानों को कृषि व संबद्ध गतिविधियों के लिए 3 लाख रुपये तक के अल्पावधि ऋण का समय पर भुगतान करने पर 3 प्रतिशत का प्रोत्साहन दिया जाता है, जिससे ऐसे ऋणों के लिए प्रभावी ब्याज दर कम होकर मात्र 4 प्रतिशत रह जाती है। केसीसी ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि लगभग 7० प्रतिशत पशुपालक महिलाएं हैं, जिनमें से अधिकांश को गिरवी योग्य सम्पत्ति के अभाव में ऋण प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त, आरबीआई की रिपोर्ट में इस तथ्य पर प्रकाश डाला गया है कि कुछ राज्यों को अपने कृषि-जीडीपी की तुलना में अधिक कृषि-ऋण प्राप्त होता है, जिसका अर्थ है कि कृषि ऋण का उपयोग गैर-कृषि कार्यों के लिए किया जाता है। इस प्रकार यह क्षेत्रीय असमानता के मुद्दे को रेखांकित करता है, क्योंकि मध्य, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के राज्यों को अपने कृषि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में बहुत कम कृषि-ऋण प्राप्त होता है। इस संदर्भ में, सरकार ने कोविड लॉकडाउन के दौरान डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों के नेटवर्क का समर्थन करने के लिए कई उपाय प्रस्तुत किये, जिनमें प्रमुख हैं - कार्यशील पूंजी ऋण पर 4 प्रतिशत ब्याज छूट देने की योजना। इस योजना के तहत राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को 333 करोड़ रुपये जारी किए गए, ताकि इसकी मदद से 24,००० करोड़ रुपये के कार्यशील पूंजी ऋण को सहायता दी जा सके। इसके अलावा, डेयरी किसान बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण पैदा हुई चुनौतियों का सामना करते हैं। फलस्वरूप, कुल दूध उत्पादन का 3 प्रतिशत से अधिक बर्बाद हो जाता है। इसके उपाय के लिए, देश भर में डेयरी सहकारी समितियों एवं किसान उत्पादक संघों को ऋण सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास योजना की घोषणा की गई थी।

पिछले कुछ दशकों में, निजी क्षेत्र ने डेयरी प्रसंस्करण अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में, लगभग 12०-13० एमएमटी का प्रसंस्करण अवसंरचना अंतर है, जो लगभग 2०,००० करोड़ रुपये की निवेश क्षमता को दर्शाता है। यदि दुग्ध प्रसंस्करण और वितरण के लिए अवसंरचना की जरूरतों को शामिल किया जाये, तो डेयरी मूल्य श्रृंखला में कुल संभावित निवेश अवसर 1,4०,००० करोड़ रुपये का है। इसे ध्यान में रखते हुए, पशुपालन और डेयरी विभाग निजी कंपनियों व उद्यमियों के लिए पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) के रूप में एक प्रमुख योजना लेकर आया है, ताकि डेयरी उत्पादों. मांस उत्पाद और पशु चारा से संबंधित प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए ऋण पर ब्याज छूट की सुविधा दी जा सके। क्रेडिट गारंटी जोखिम कम करने वाला एक महत्वपूर्ण उपाय है, जो एमएसएमई को ऋण देने के क्रम में ऋणदाता के जोखिम को कम करता है। इसलिए, 75० करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी निधि की स्थापना की गई है, ताकि उधारकर्ता को उपलब्ध कराए गए मूल ऋण के 25 प्रतिशत तक के एएचआईडीएफ ऋणों के लिए गारंटीकृत कवरेज प्रदान किया जा सके। मूल्य श्रृंखला में कमियों को दूर करने के लिए, एएचआईडीएफ को संशोधित किया गया है, ताकि योजना में नस्ल सुधार प्रौद्योगिकी, वैक्सीन निर्माण और 'कचरे से कंचन' से संबंधित अवसंरचना निर्माण को शामिल किया जा सके।

हमारे पशुधन क्षेत्र की कुछ प्रमुख चुनौतियां हैं - निम्न उत्पादकता स्तर और गुणवत्तापूर्ण व किफायती पशु आहार तथा चारे की कमी। अत: इस क्षेत्र में किसानों को समर्थन देने के उद्देश्य से उद्यमियों को मवेशी, भैंस, भेड़, बकरी, सुअर और वाणिज्यिक पोल्ट्री हैचरी से जुड़े नस्ल गुणन फार्मों के सन्दर्भ में पूंजी सब्सिडी प्रदान करने के लिए नई पहल की घोषणा की गई है। इसी प्रकार उन ग्रामीण चारा उद्यमियों के लिए भी 5० प्रतिशत पूंजी अनुदान योजना लागू की जा रही है, जो पशुपालकों को किफायती व गुणवत्तापूर्ण चारा आपूर्ति के लिए सुविधा स्थापित करने के अवसर की तलाश कर रहे हैं। पूंजीगत सब्सिडी और ब्याज में छूट से जुड़े ऐसे कार्यक्रम पशुपालकों को बैंक ऋण की आसान उपलब्धता सुनिश्चित कर सकते हैं।

ऋण उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए, 2021 के बजट में पशुधन संबंधी गतिविधियों के सन्दर्भ में जमीनी स्तर पर ऋण लक्ष्यों के अंतर्गत बैंकिंग संस्थानों के लिए सावधि ऋण निर्धारित करने की घोषणा की गई थी। 2021-22 लक्ष्यों की 192 प्रतिशत उपलब्धि के आधार पर, 2022-23 के लिए कार्यशील पूंजी ऋण तथा सावधि ऋण, दोनों ही निर्धारित किये गए हैं। सरकार द्वारा शुरू किये गए ऐसे सभी उपाय पशुधन क्षेत्र में ऋण उपलब्धता को बढ़ावा दे रहे हैं, जिनका ग्रामीण भारत में उद्यमिता विकास और धन सृजन की दिशा में गुणात्मक प्रभाव पड़ेगा।

लेखक, सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग। व्यक्त सभी विचार निजी हैं।

पार्थ पर क्यों बदला ममता का नजरिया?

पश्चिम बंगाल सरकार में नंबर दो की हैसियत के मंत्री पार्था चटर्जी पूरी तरह से अलग थलग पड़ गए हैं। ममता बनर्जी ने दो टूक अंदाज में कहा कि अगर उन्होंने गलत किया है तो उनको सजा मिलनी चाहिए। इससे पहले ममता बनर्जी के कई मंत्री इस किस्म के विवादों में फंसे और हिरासत में लिए गए या गिरफ्तार किए गए पर ममता ने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा। कुछ समय पहले सीबीआई ने उनके मंत्रियों को हिरासत में लिया था तब वे सीबीआई के कार्यालय पहुंच गई थीं और कई घंटे वहां बैठी रही थीं। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर प्रदर्शन किया। लेकिन इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ है। पार्था चटर्जी को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया और तृणमूल कांग्रेस ने इस गिरफ्तारी पर कोई सवाल नहीं उठाया। तभी सवाल है कि ऐसा क्यों हुआ? क्या यह पार्टी के अंदर किसी आंतरिक खींचतान की वजह से है या पार्था चटर्जी बलि का बकरा बने हैं? बताया जा रहा है कि ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को बचाने के प्रयास के तहत पार्था की बलि हुई है। जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्था चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी के बारे में केंद्रीय एजेंसियों को सूचना पार्टी के कुछ नेताओं की ओर से ही गई थी। अर्पिता मुखर्जी के घर में 2० करोड़ से ज्यादा नकद रकम होने की सूचना भी जान बूझकर लीक की गई थी। हालांकि पार्था की गिरफ्तारी इस बात की गारंटी नहीं है कि कोयले की तस्करी या धन शोधन के मामले में अभिषेक और उनकी पत्नी की जानबख्शी हो जाएगी। लेकिन इतना जरूर है कि पश्चिम बंगाल में कुछ असामान्य सी राजनीति हो रही है।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.013

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.12 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

स्कू ढीला के स्पेशल वीडियो में टाइगर श्रॉफ ने खलनायकों को पीटा

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ एक्रोबेटिक्स, बैक-फ्लिप्स और हाई-ऑक्टेन स्टंट्स के लिए जाने जाते हैं। इस बार फिल्म शशांक खेतान के निर्देशन में बनी है जिसका शीर्षक स्क्रू ढीला है, जिसमें टाइगर एक मितभाषी युवा की भूमिका निभा रहे हैं।

फ्लैश फिक्शन की लंबाई के बराबर तीन मिनट के भीतर फिल्म का पहला लुक जारी किया गया। वीडियो में, टाइगर अकेले ही बुरे लोगों की हड्डियों को तोड़ देतें है और निश्चित रूप से, कांच की दीवारों, मेजों और बंद हथकड़ी की एक जोड़ी को भी तोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है और यह शशांक का स्टूडियो के साथ छठा सहयोग है। धर्मा प्रोडक्शंस के प्रमुख करण जौहर ने स्क्रू ढीला के विशेष वीडियो को कैप्शन के साथ साझा किया, मनोरंजन के एक ठोस पंच के साथ पहुंचे, टाइगर श्रॉफ को हैशटैग-स्क्रू ढीला, में पेश करने के लिए सुपर उत्साहित, शशांक खेतान द्वारा निर्देशित एक्शन की एक नई दुनिया में।फिल्म की रिलीज डेट और इसकी पूरी कास्ट का अभी मेकर्स ने खुलासा नहीं किया है।

ईडी की उपयोगिता

ईडी के अस्तित्व में आने के पिछले 2० साल में कुल 5,422 मामले आजतक दर्ज हुए हैं, जिनमें से 65.66 फीसदी मामले पिछले आठ साल में दर्ज हुए हैं। थोड़े समय पहले तक किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी का ऐसा इस्तेमाल हो सकता है कि केरल से कन्याकुमारी तक हड़कंप मचा रहे और नेताओं की नींद उड़ी रहे। पहले आयकर विभाग और सीबाआई से नेता घबराते थे। ईडी का उनके जीवन में बहुत कम दखल था। लेकिन अब हर तरफ ईडी है। केंद्र सरकार ने खुद बताया है कि ईडी के इस्तेमाल में पांच गुना तक की बढ़ोतरी हो गई है। संसद के चालू सत्र में एक सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के पहले तीन साल के मुकाबले दूसरे कार्यकाल के पहले तीन साल में ईडी के मुकदमे पांच गुना बढ़ गए हैं। यह हैरान करने वाला आंकड़ा है। इससे ऐसा लग रहा है कि देश में सिर्फ एक ही एजेंसी काम कर रही है और वह है- ईडी! सरकार की ओर से दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 2014 से 2017 के बीच यानी मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के पहले तीन साल में ईडी ने धन शोधन के कुल 489 मामले दर्ज किए थे। यानी औसतन 163 मामले हर साल दर्ज हुए थे। जब मोदी सरकार दूसरी बार सत्ता में आई तो उसके बाद के तीन साल में यानी 2019 से 2022 के बीच धन शोधन के मामलों की संख्या बढ़ कर 2,723 हो गई। यानी हर साल औसतन नौ सौ से ज्यादा केस! सोचें, ऐसा क्या हो गया कि पांच साल तक 'न खाऊंगा न खाने दूंगा' की सरकार चलने के बाद हर साल धन शोधन के नौ सौ से ज्यादा मामले दर्ज होने लगे? कानून के जरिए ईडी के अस्तित्व में आने के पिछले 2० साल में कुल 5,422 मामले आजतक दर्ज हुए हैं, जिनमें से 65.66 फीसदी मामले पिछले आठ साल में दर्ज हुए हैं।

असल में पिछले कुछ समय में ईडी सबसे कारगर एजेंसी के तौर पर उभरी है। सीबीआई के इस्तेमाल को लेकर राज्यों ने बहुत सख्त स्टैंड लिया और कई राज्यों ने सीबीआई जांच के लिए दी गई जनरल कन्सेंट वापस ले ली। सीबीआई का गठन दिल्ली पुलिस विशेष कानून के तहत हुआ है इसलिए उसके इस्तेमाल में कई तकनीकी बाधाएं हैं। दूसरी ओर आयकर विभाग के इस्तेमाल में सख्ती की गुंजाइश कम है। ईडी के इस्तेमाल से ये दोनों बाधाएं दूर होती हैं। उसके लिए किसी की मंजूरी की जरूरत नहीं है और ईडी जब कहीं कार्रवाई करती है और नकदी जब्त करती है तो वह पीएमएलए की सख्त कानूनी धाराओं में तत्काल गिरफ्तार कर सकती है। इसलिए देश भर में ईडी की ही कार्रवाई चल रही है। आंकड़ों का और बारीक विश्लेषण होगा तो पता चलेगा कि ज्यादातर मुकदमे विपक्षी नेताओं और उनके करीबियों पर हुए हैं।(आरएनएस)

चेकिंग अभियान चलाकर बाहरी लोगों का सत्यापन करने की मांग

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। चीन सीमा क्षेत्र में बसे हिमनगरी मुनस्यारी में बाहरी लोगों की आवाजाही अचानक बढ़ जाने के कारण पंचायत प्रतिनिधियों ने गहरी चिंता जताई। पुलिस अधीक्षक तथा जिला अधिकारी को पत्र लिखकर सघन चेकिंग अभियान चलाकर बाहरी लोगों का सत्यापन करने की मांग की है। चीन सीमा पर स्थित इस क्षेत्र में इसबीच बाहरी लोगों की संख्या अचानक बढ़ी हुई दिखाई दे रही है। कुछ लोगों ने यहां जमीन तक खरीदी है। पुलिस द्वारा जमीन खरीदने वाले लोगों का तक सत्यापन नहीं किया गया है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज जिला अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर कहा कि चीन सीमा क्षेत्र में बाहरी लोग बिना सत्यापन के रह रहे है, तो यह सीमा क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है।

मर्तोलिया ने कहा कि पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ से चीन सीमा क्षेत्र में नियमित सत्यापन किए जाने के लिए स्थानीय पुलिस थाने को निर्देशित करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि होम स्टे तथा होटलों के अलावा घरों में अध्ययनरत आदि कार्यों के लिए आने वाले अगर एक सप्ताह से अधिक रहते है तो उनका भी सत्यापन किया जाए। मर्तोलिया ने कहा कि क्षेत्र की जनता को जागरुक करते हुए एक सप्ताह के भीतर अपने काराएदारों का सत्यापन स्वयं कराने का अवसर दिया जाए, उसके बाद फिर पुलिस सघन अभियान चलाकर मकान मालिकों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई अमल में लाएं। मर्तोलिया ने कहा बाहरी क्षेत्रों के एनजीओ पर भी पुलिस नजर रखे। इनके द्वारा स्थानीय लोगों को ठगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस ने पंचायत प्रतिनिधियों की मांगों पर विचार नहीं किया तो पुलिस के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

आशाओं ने कोरोना भत्ता देने की मांग उठाई

चम्पावत (आरएनएस)। आशा कार्यकत्रियों ने कोरोना भत्ता देने की मांग की। इस संबध में उन्होंने ने सीएमएस के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सोमवार को आशा कार्यकत्रियों ने पंचायत भवन में बैठक की। जिसके बाद उपजिला अस्पताल में सभी आशा कार्यकत्रियों ने अध्यक्ष लीला ठाकुर के नेतृत्व में सीएमएस घनश्याम तिवारी के माध्यम से सीएमओ को ज्ञापन भेजा। कहा कोरोना के दौरान आशाओं ने जान जोखिम में डालकर काम किया है। आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन ने प्रति माह दस हजार रुपये कोरोना भत्ता दिए जाने की मांग की थी। लेकिन सरकार ने एक हजार रुपये मासिक कोरोना भत्ता दिए जाने की घोषणा की। बताया कि सितंबर 2021 से अभी तक कोरोना भत्ता नहीं मिला है।

वायुरथ महोत्सव के लिए दायित्व सौंपे

चम्पावत (आरएनएस)। सुंई और बिशुंग के परस्पर सहयोग से होने वाले वायुरथ महोत्सव को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान महोत्सव को भव्य रुप देने के लिए वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सुंई में सामाजिक उत्थान एंव शैक्षिक सांस्कृतिक खेल समिति अध्यक्ष श्याम दत्त चौबे की अध्यक्षता पर बैठक हुई। जिसमें उन्होंने बताया कि आठ अगस्त से पांच दिवसीय महोत्सव के लिए 25 गांव के जनप्रतिनिधियों को दायित्व सौंपे। उन्होंने बताया कि महोत्सव में रक्तदान, नशामुक्ति, पौध रोपण, समाज कल्याण और स्वास्थ्य विभाग के शिविरों, मंडल स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता, विकास प्रदर्शनी, उत्तराखंड के प्रसिद्ध सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुति आदि के बारे में चर्चा की गई। संचालन भुवन चौबे और गौरव पांडेय ने किया।

ईडी इज ईडी! ईडी! ईडी!

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

अधिकारियों को क्या मिला है लेकिन सोनिया और राहुल से पूछताछ के बाद की गई इस छापेमारी को सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर शिकंजा कसने की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

उधर चाल घोटाले में ईडी द्वारा पूछताछ के बाद गिरफ्तार किए गए संजय राउत के भी दो मुंबई स्थित ठिकानों पर आज छापेमारी की गई है। 1025 करोड़ के इस घोटाले में ईडी को साक्ष्य जुटाने में कितनी सफलता मिलती है अलग बात है लेकिन संजय राउत की मुश्किलें बढ़ती जरूर दिख रही हैं जो अभी ईडी की गिरफ्त में है। उधर शिक्षक भर्ती घोटाले में फंसे ममता के पूर्व काबीना मंत्री पार्थ चटर्जी पर ईडी का शिकंजा कस चुका है। अर्पिता मुखर्जी के घरों से 50 करोड़ की बरामदगी के बाद ईडी ने आज उनके चार और ठिकानों पर छापेमारी की है। पार्थ को ममता बनर्जी मंत्री पद से हटा चुकी हैं आज मेडिकल के लिए ले जाते वक्त एक महिला ने पार्थ चटर्जी पर चप्पल फेंक कर अपना गुस्सा निकाला।

श्रावण मास में नाग पंचमी का विशेष महत्व

संवाददाता

देहरादून। श्री टपकेश्वर महादेव मन्दिर के महंत कृष्ण गिरी ने बताया कि भगवान भोले शंकर को समर्पित श्रावण मास में नाग पंचमी का विशेष महत्व है।

आज यहा श्री टपकेश्वर महादेव मन्दिर के ं महंत कृष्ण गिरी ने बताया कि भगवान भोले शंकर को समर्पित श्रावण मास में नाग पंचमी का विशेष महत्व है इस दिन साल में एक बार नाग देवता की विशेष पूजा होती है।

महंत कृष्ण गिरी ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार आज प्रातः 5 बजकर 45 मिनट से सुबह 8:25 तक विशेष मुहूर्त श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि अनुसार विधिवत पूजा व रुद्राभिषेक किया गया, सभी जनमानस की कुशल मंगल और स्वास्थ्य की

कामना कि गईं।

महंत ने बताया की पुरे श्रावण मास के महीने मंदिर मे पुरे विधि विधान से संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए अनुष्ठान किया जा रहा है, आज इस विशेष अनुष्ठान में दिगम्बर रवि गिरी , अनुपम शर्मा, रोशन राणा, जितेन्द्र मल्लिक, मंदिर समिति के सभी आचार्य और पंडित शामिल हुए।

हजारों की नगदी व सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर हजारों की नगदी व सामान चोरी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी मौहम्मद रिहान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ घर में सो रहा था। सुबह उसने देखा कि मकान का सारा सामान बिखरा हुआ था तथा घर से 75 हजार रूपये नगद, जेवरात व अन्य सामान गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अल्पसंख्यक मोर्चा ने चलाया हर तिरंगा अभियान

संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया। आज यहां आजादी का अमृत हर घर तिरंगा घर-घर तिरंगा इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मास्टर शकील, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रईस अंसारी, रमजान अली जागरूकता कार्यक्रम चलाते हुए घर घर तिरंगा हर घर तिरंगा मुस्लिम बस्ती आजाद कॉलोनी में लोगों को जागरूक करते हुए मास्टर शकील ने सभी बस्ती के क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर की छत पर या घर में झंडा अपनी स्वेच्छा से भारत का झंडा जरूर लगाना है।

पुलिसकर्मियों के परिजन कोई बंधुआ मजदूर तो नहीं, जो किया जा रहा उत्पीड़नः मोर्चा

नगर संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों को एसीपी (4600 ग्रेड पे) का लाभ दिए जाने को लेकर वर्ष 2021 में विधायक रहते स्वयं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरजोर पैरवी की थी तथा मुख्यमंत्री बनने के बाद मुख्यमंत्री धामी ने पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर अक्टूबर 2021 को एसीपी लाभ दिए जाने की घोषणा की थी, लेकिन अब तक घोषणा को धरातल पर उतारना तो दूर, पुलिस कर्मियों का उत्पीड़न (निलंबित कर) किया जा रहा है।

नेगी ने कहा कि पूर्व में पुलिस विभाग में समयमान वेतन के लाभ के रूप में पदोन्नति पद की प्रास्थिति के अनुरूप कार्मिकों को अगला वेतनमान अनुमन्य था, परंतु एमएसीपी व्यवस्था लागू होने के उपरांत जिन पदों का वेतनमान एवं ग्रेड वेतन/मैट्रिक्स लेवल अनुमन्य कराया जा रहा है, वह पद उस संवर्ग के ढांचे में विद्यमान नहीं है। सातवें वेतन आयोग की सिफारिश के क्रम में एमएसीपी व्यवस्था के अंतर्गत शासनादेशानुसार पदोन्नति पद का लाभ स्वीकृत न होकर अगला ग्रेड वेतन स्वीकृत होने के कारण क्रमशः 10-20-30 वर्ष की सेवा पर स्तरोन्नयन का लाभ स्वीकृत होने के उपरांत एक ही पद पर कार्य तथा एक ही वर्ष के भर्ती कार्मिक अपने समकक्ष वरिष्ठ पदोन्नत कर्मी के समान वेतनमान एवं ग्रेड वेतन/ वेतन मैट्रिक्स का लाभ प्राप्त नहीं कर पाएंगे, जिससे विसंगति होना लाजिमी है। पुलिस विभाग में 2800 ग्रेड पे यानी एएसआई का पद विभागीय ढांचे में विद्यमान नही है, जिस कारण उनको अगला ग्रेड पे 4600 अनुमन्य होना चाहिए। उक्त विसंगति के चलते कार्मिकों को 10-15 हजार का आर्थिक नुकसान प्रतिमाह होना लाजिमी है, क्योंकि पुलिस विभाग में अराजपत्रित अधिकारियों व कर्मचारियों पर स्टाफिंग पैटर्न की व्यवस्था लागू नहीं है तथा पदोन्नति के सोपान भी अन्य विभागों की तुलना में बहुत कम है। अधिकांश पुलिसकर्मी भर्ती के पद से ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं ।

नेगी ने कहा कि सरकार वित्तीय रोना रोती है, लेकिन जब विधायकों व मंत्रियों के वेतन, भत्ते, पेंशन इत्यादि में बढ़ोतरी की बात होती है तो एकदम बिल पेश हो जाता है । नेगी ने कहा कि सरकार को कर्मियों का उत्पीड़न बंद कर तत्काल अपनी घोषणा पर अमल करना चाहिए। पत्रकार वार्ता में दिलबाग सिंह, भीम सिंह बिष्ट व अमित जैन मौजूद थे।

एक नजर

मंकीपॉक्स से डरने या घबराने की आवश्यकता नहीं: मनसुख मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि भारत में अभी तक मंकीपॉक्स के आठ मामले सामने आए हैं और इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए हरसंभव निगरानी की जा रही है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान मंकीपॉक्स से जुड़े पूरक सवालों का जवाब देते हुए मांडविया ने यह भी कहा कि इससे घबराने या डरने की कोई

आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह कोविड-19 बीमारी की तरह तेजी से नहीं फैलती है बल्कि बहुत नजदीकी संपर्क में आने पर ही यह संक्रमण फैलता है। उन्होंने बताया कि मंकीपॉक्स के संक्रमण की जांच के लिए देश के 15 संस्थानों को चिह्नित किया गया है और आवश्यकता पड़ी तो इसमें अन्य संस्थानों को भी शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत करीबी के संपर्क में आने पर ही यह संक्रमण फैलता है, जैसे मां से बच्चे में और पति से पत्नी में या पत्नी से पति में। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के अनुभवों से सीख लेते हुए सरकार ने पहले ही मंकीपॉक्स से निपटने की तैयारी आरंभ कर दी थी।

बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक संदिग्ध ड्रोन को मार गिराया

श्रीनगर। भारत-पाकिस्तान सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मंगलवार को एक संदिग्ध ड्रोन को मार गिराया, जो उस इलाके में चक्कर में लगा रहा था। इस मामले में बीएसएफ की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक सुरक्षा बलों के जवानों ने उस संदिग्ध ड्रोन को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास आसमान में चक्कर लगाते हुए देखा,

जिसके बाद उस पर फायरिंग झोंकी गई, जिसमें संदिग्ध ड्रोन जमीन पर आ गिरा। बीएसएफ प्रवक्ता ने इस घटना के संबंध में कहा कि बीएसएफ के जवानों ने गश्त के दौरान जम्मू के कनाचक क्षेत्र में रात में लगभग 2 बजकर 35 मिनट पर एक अज्ञात उड़ने वाली वस्तु देखा, जिसमें लाइट ब्लिंक हो रही थी। अधिकारियों के निर्देश पर जवानों ने संदिग्ध ड्रोन पर गोलीबारी की, जब वह भारत-पाक की अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि इसके बाद सैनिकों को वह दिखाई नहीं दिया, जिसके बाद जवान उसकी तलाश में क्षेत्र की तलाशी ले रहे हैं। मामले में बीएसएफ के सुरक्षा अधिकारियों का आरोप है कि पाकिस्तानी सैनिकों अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हथियार, गोला-बारूद और ड्रग्स को पहुंचाने में ऐसे संदिग्ध ड्रोन का बहुतायद में इस्तेमाल करते हैं।

जब उड़ान भरने के लिए तैयार इंडिगो के एक विमान के नीचे आ गई कार

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल, उड़ान भरने के लिए तैयार इंडिगो के एक विमान के नीचे कार आ गई। अब पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस पूरे वाकये के दौरान फ्लाइट में यात्री भी बैठे हुए थे। ये विमान पटना के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से बताया गया

कि इस घटना में एयरक्राफ्ट को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। साथ ही कि व्यक्ति को भी चोट नहीं आई है। उड़ान को भी तय समय से रवाना कर दिया गया और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इंडिगो का प्लेन 6ई2002 पटना जाने के लिए उड़ान भरने को तैयार था। तभी प्लेन के पहिये के नीचे एक कार आ गई। इस घटना के बाद अफरातफरी मच गई। गाड़ी वहां कैसे पहुंची, इसे लेकर जांच शुरू कर दी गई है। कार के ड्राइवर का अल्कोहल टेस्ट भी किया गया और उसका टेस्ट निगेटिव आया है। अधिकारी ड्राइवर से पूछताछ भी कर रहे हैं कि वह गाड़ी लेकर क्यों पहुंचा। सूत्रों के अनुसार, यह विमान जहां खड़ा था वहां किसी गाड़ी को ले जाने की इजाजत नहीं थी। ऐसे में ये ड्राइवर किस परिस्थिति में वे गाड़ी वहां ले गया, इसकी जांच की जा रही है।

आतंकी अल जवाहरी का खेल खत्म

●अमेरिका ने काबुल में ड्रोन हमले में किया ढेर

विशेष संवाददाता

वाशिंगटन/काबुल। अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडन ने आज अलकायदा की चीफ अल जवाहरी को मार गिराने का दावा करते हुए कहा कि वक्त चाहे जितना भी लगे इसके कोई मायने नहीं लेकिन अमेरिका अपने दुश्मनों को छोड़ने वाला नहीं है। 21 साल बाद अल जवाहरी के खात्मे के साथ 9/11 का बदला पूरा हो गया है।

प्राप्त सूचनाओं के आधार पर अलकायदा प्रमुख अल जवाहरी अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में गृह मंत्री के घर में छिपा हुआ था जिसे शनिवार सुबह 6.18 बजे उस समय अमेरिका ने मार गिराया जब वह बालकनी में आया। अमेरिका ने बिना किसी युद्ध के और अन्य किसी को क्षति पहुंचाए इस ऑपरेशन को ड्रोन के जरिए दागी गई दो हेल फायर मिसाइलों के जरिए अंजाम दिया गया। अल जवाहरी विश्व आतंकियों की हिट लिस्ट में दूसरे नंबर पर था तथा उस पर अमेरिका द्वारा 25 मिलियन डॉलर का इनाम घोषित कर

❑काबुल के गृह मंत्री के घर छिपा था
❑21 साल बाद लिया 9/11 का बदला

रखा था। अमेरिका द्वारा अल जवाहरी पर 2006 व 2011 में हमले किए गए थे लेकिन वह हमलों से पहले ही भाग निकलने में सफल रहा था।

अमेरिका में 9/11 को हुए आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड रहा अल जवाहरी ठिकाने बदलता रहता था। ओसामा बिन लादेन के पाकिस्तान के एब्टाबाद में मारे जाने के बाद उसे अलकायदा की कमान सौंपी गई थी। अमेरिका पर हुए हमले में 2000 से अधिक लोगों की मौत हुई थी 21 साल पहले हुए इस आतंकी हमले ने अमेरिका ही नहीं पूरे विश्व को हिला दिया था।

अल जवाहरी की मौत की खबर के बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने ट्वीट कर कहा है कि आज का दिन एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया है अब उन्हें भरोसा हो गया है कि आतंकवाद के खिलाफ चल रही जंग बिना युद्ध के भी जीती जा सकती है। उन्होंने लिखा है कि निश्चित ही इस खबर से 9/11 के पीड़ितों की आत्मा को शांति मिली होगी। उधर जो वाइडन ने कहा कि अमेरिका अपने किसी भी दुश्मन को न भूल सकता है और न छोड़ सकता है भले ही वह कहीं भी छुप जाए उन्हें हम ढूंढ कर मारेंगे।

अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार ने इस कार्यवाही पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे तानाशाही बताया है अमेरिका ने भी जवाब में उसे समझौते का उल्लंघन न करने की नसीहत दी है तथा अपने दूतावास को खाली कर दिया है।

प्रदेश में नए भर्ती होने वाले कार्मिकों का ग्रेड वेतन होगा केंद्र के समान

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड में अब होने वाली भर्तियों में केंद्र के समान ही वेतन मिलेगा। वित्त विभाग ने आज बकायदा इसका आदेश जारी कर दिया है।

यह आदेश मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार जारी हुआ है। हालांकि यह वेतन व्यवस्था वर्तमान में कार्यरत कार्मिकों के लिए लागू नहीं होगी। ज्ञात रहे धकि गत दिनों सीएम उत्तराखंड पुष्कर धामी ने कैबिनेट बैठक में उत्ष्तराखंड में नए भर्ती होने वाले कार्मिकों का ग्रेड वेतन केंद्र के समान देने का फैसला घलिया था।

मुख्य सचिव वित्त आनंद बर्द्धन ने मंत्रिमंडल के इस निर्णय की पुष्टि कर ली है। बताया जा रहा है कि उत्तराखंड सरकार ने केंद्र के समान वेतन रखने के आदेश पर मुहर लगा दी है। अब प्रदेश में विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त होने वाले नए कर्मचारियों का ग्रेड वेतन केंद्र के समान होगा।

हालांकि यह पहले से नियुक्त कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। आदेश के तहत अब विभिन्न संवगों में होने वाली भर्तियों में केंद्रीय ग्रेड वेतन के राज्य कर्मचारियों के वेतन में समानता रहेगी। इस आदेश के संबंध में फिलहाल अधि कारिक घोषणा का इंतजार है।

दो से अधिक संतान वालों पर चुनाव लडने पर लगे रोक: आप

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी ने पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज से मांग की है कि दो से अधिक बच्चों वालों को चुनाव लडने पर प्रतिबंधित किया जाये।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट के नेतृत्व में पार्टी के एक शिष्टमंडल आज उत्तराखंड के पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज जी से मुलाकात की। शिष्टमंडल ने पंचायत राज मंत्री से मांग की कि उत्तराखंड सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में 2 से अधिक संतान वाले लोगों को पंचायत चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। राज्य सरकार उस रोक को हटाकर आदेश लागू होने की तिथि से 9 महीने बाद की कट ऑफ डेट तय करें। जिनका कटऑफ डेट के बाद तीसरी संतान होगी उनको चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए। उससे पहले दो से अधिक संतान वालों को चुनाव लड़ने से प्रतिबंध न किया जाए। सतपाल महाराज ने आम आदमी पार्टी के इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। शिष्ट मण्डल में डॉक्टर आर पी रतूड़ी, सी पी सिंह, सुरेश चंद्र सिंह बिष्ट, श्रीमती सुधा पटवाल और सुशील सैनी शामिल थे।

स्मैक के साथ तीन गिरफ्तार

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना पुलिस ने अम्बेडक बस्ती की तरफ जाने वाले रास्ते पर दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम उस्मान पुत्र फुरकान व मुंतजिर पुत्र मंजूर दोनों निवासी ग्राम खेलडी थाना भगवान पुर हरिद्वार बताया। वहीं पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने नया गांव के पास एक युवक को छह ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।